# एक चोदोगे तो दो फ्री में मिलेंगी-1

“संजना हैलो दोस्तो, मैं आपकी दोस्त संजना, लुधियाना से एक बार फिर आपके लिए एक और कहानी लेकर आई हूँ। यह कहानी बिल्कुल सच है, पात्रों के नाम बदल दिए गए हैं और थोड़ा बहुत मसाला डाला है, पर कहानी एकदम सच है, किसी ने मुझे बताई और मैं आपको अपने अंदाज़ में बता रही […] ...”

**Story By: (varindersingh)**
**Posted: Friday, March 21st, 2014**
**Categories: जीजा साली की चुदाई**
**Online version: एक चोदोगे तो दो फ्री में मिलेंगी-1**


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# एक चोदोगे तो दो फ्री में मिलेंगी-1

संजना
हैलो दोस्तो, मैं आपकी दोस्त संजना, लुधियाना से एक बार फिर आपके लिए एक और कहानी लेकर आई हूँ। यह कहानी बिल्कुल सच है, पात्रों के नाम बदल दिए गए हैं और थोड़ा बहुत मसाला डाला है, पर कहानी एकदम सच है, किसी ने मुझे बताई और मैं आपको अपने अंदाज़ में बता रही हूँ। तो मजा लीजिए….!

मेरा नाम शशि प्रकाश है, 28 साल का हैंडसम नौजवान हूँ, शादीशुदा हूँ, सुन्दर बीवी है,एक बच्चा है, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर हार्डवेयर का अपना काम है, मतलब किसी चीज़ की कमी नहीं।

मेरी लाइफ बहुत ऑर्गनाइज्ड है, सुबह उठ कर जिम जाना, टाइम से हर काम करना, पूरे अनुशासन में रहना, अच्छी बॉडी है, मर्दानगी में कोई कमी नहीं, इसी लिए मेरी बहुत से लड़कियों से दोस्ती थी। बहुत सारी मुझसे शादी भी करना चाहती थीं, पर मैंने पसंद किया चाँदनी को।

वो मेरे घर के पास ही रहती थी, बिल्कुल मेरे टाइप की, खूबसूरत, गोरी-चिट्टी, भरी-पूरी। उससे पहले आँखों-आँखों में बात हुई, फिर मुलाकात, फिर प्रेम और फिर शादी।

हमारी शादी थी तो लव-मैरिज पर मेरे और उसके घर वालों ने अरेंज कर दी थी। लुधियाना में मैं अकेला रहता था। माँ-पिताजी सब गाँव में थे। चाँदनी के घर में सिर्फ़ उसकी छोटी बहन और एक विधवा माँ थे बस।

शादी से पहले मैंने चाँदनी के साथ कभी कोई ग़लत हरकत नहीं की क्योंकि मैंने सोच लिया

था कि शादी इसी से करूँगा, हाँ चोदा-चादी के लिए और बहुत सी लड़कियाँ थी। चाँदनी को भी पता था कि मेरी इमेज ‘लवर-बॉय’ की है और बहुत सी लड़कियों के साथ मेरे संबंध थे, पर शादी से पहले ही मैंने सब खत्म कर दिए थे।

शादी धूमधाम से हो गई, अब ससुराल पड़ोस में ही थी, तो अक्सर वक़्त बे वक़्त आना-जाना लगा रहता था। कभी वो हमारे यहाँ तो कभी हम उनके वहाँ।

साली से खूब खुल्लम खुल्ला हँसी-मज़ाक़ होता था। धीरे-धीरे जब मैंने देखा कि वो बुरा नहीं मानती, तो बीवी से चोरी-छिपे उससे चुम्मा-चाटी शुरू हो गई, जो बढ़कर उसके मम्मे दबाने और चूतड़ सहलाने तक पहुँच गई। मैं चाहता तो था कि उसको भी चोद दूँ, पर जानबूझ कर पंगा नहीं ले रहा था। हाँ उसकी तरफ से मुझे पता था कि कोई इन्कार नहीं था। बातों बातों में मैंने उससे पूछ लिया था और उसने भी इशारे में समझा दिया कि अगर मैं आगे बढ़ूँ तो वो भी पीछे नहीं हटेगी, पर मैं आगे नहीं बढ़ा।

इसी तरह प्यार मोहब्बत में दो साल निकल गए। पंगा तब शुरू हुआ जब मेरी सास के भाई की मृत्यु हुई, तब मैं ही सब को लेकर जालंधर गया। सारे क्रियाकर्म के बाद वापिस आए तो मेरी सास का तो रो-रो कर बुरा हाल था। दोनों भाई-बहन में बहुत प्यार था।

वापिस आकर हम कुछ दिन अपनी सास के साथ ही रहे। एक दिन शाम को जब मैं अपने काम से वापिस लौटा तो कुछ देर के लिए अपनी सास के पास बैठ गया। उसने सफेद साड़ी पहन रखी थी, 44 साल की उम्र में आधे सफेद बालों के साथ भी वो ‘हॉट’ लग रही थीं। वो चुपचाप बेड पर बैठी थीं, मैं पास जा कर बैठ गया। चाँदनी बाजार गई थी और रोशनी (मेरी साली) किचन में मेरे लिए चाय बना रही थी। मैं पास जा कर बैठा तो सासू जी फिर से रोने लगीं।

मैंने उन्हें सहारा दे कर उनका सर अपने कंधे से लगाया और एक बाजू उनके गिर्द घुमा कर

अपने आगोश में ले लिया। वो मेरे सीने से लग कर रोने लगीं और जब मैंने नीचे ध्यान दिया तो देखा कि उनकी साड़ी का पल्लू उनके सीने से हट गया था और उनके सफ़ेद ब्लाउज से उनका बड़ा सा क्लीवेज आगे दिख रहा था।

एक शानदार क्लीवेज जो दो खूबसूरत नर्म, गुदाज़,गोरे-गोरे मम्मों के मिलने से बना, मेरी तो आँखें वही गड़ी की गड़ी रह गईं।

मैंने खुद को थोड़ा सा एडजस्ट किया, अब सासू जी का बायाँ मम्मा मेरे सीने से लग रहा था। भगवान कसम मेरा मन कर रहा था कि पकड़ कर दबा दूँ पर क्या करता सास थीं !

मैं उन्हें चुप कराने के लिए उनके सर पर हाथ फेरता रहा, पर वो चुप ही नहीं हो रही थीं। मुझे भी लगा कि बुढ़िया कुछ ज़्यादा ही ड्रामा कर रही है क्योंकि उसके बदन की गर्मी अब मुझे चढ़ने लगी थी।

मैं चाहता था कि या तो ये बुढ़िया मुझसे अलग हो जाए, नहीं तो फिर मेरा कोई पता नहीं, कहीं मैं इसके साथ कोई कमीनी हरकत ना कर दूँ।

जब यह ड्रामा लंबा हो गया, तो मैंने टेस्ट करने की सोची और अपनी सास को सांत्वना देते हुए, उसके गाल को चूम लिया और ऐसे एक्ट किया कि जैसे मुझे उसके रोने की बड़ी चिंता है, पर असल में मैं तो टेस्ट कर रहा था कि बुढ़िया मुझे कितना बर्दाश्त करती है।

जब एक चुम्बन का उसने कोई प्रतिरोध नहीं किया तो मैंने उसका चेहरा ऊपर उठाया और प्यार जताते हुए एक और चुम्बन किया। यह चुम्बन गाल और होंठों के बीच में था। वो फिर भी रोती रही और मुझसे वैसे ही चिपकी रही।

अब मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था, मेरा लंड करवटें लेने लगा, फिर तो मैंने सब रिश्ते-नाते भूल कर सासू जी का मुँह ऊपर किया और उसके होंठों पर चुम्बन कर दिया। गाण्ड तो

मेरी फटी पड़ी थी कि शशि बेटा अगर दाँव उल्टा पड़ गया तो बहुत महंगी पड़ेगी, पर सासू जी ने कोई विरोध नहीं किया। यह तो मेरे लिए हरी बती थी।

मैंने आव देखा ना ताव, दोबारा सासू जी का नीचे वाला होंठ अपने होंठों में ले लिया और चूसना शुरू कर दिया। उनका रोना बंद हो गया, पर वो वैसे ही निढाल सी हो कर मेरे सीने पर गिरी रहीं। मैंने उनके दोनों होंठ बारी-बारी से चूसे, उनके होंठों को अपनी जीभ से चाटा और अपनी जीभ उनके मुँह में डाल कर घुमाई।

उसकी तरफ से कोई विरोध ना देख कर मेरी हिम्मत बढ़ गई और मैंने उसके होंठ चूसते-चूसते उसके मम्मे भी दबाने शुरू कर दिए। मेरी हैरानी की कोई सीमा ना रही, जब उसने भी अपनी जीभ से मेरी जीभ के साथ खेलना शुरू कर दिया। यह तो मेरे लिए दोहरा ग्रीन सिग्नल था। मैंने तो जल्दी-जल्दी उसके सारे बदन पर हाथ फेरना शुरू कर दिया, कि क्या पता कल को बुढ़िया मुकर जाए, इसलिए आज ही सारी मलाई खा लो।

मैंने उसका हाथ पकड़ कर अपने लंड पर रखा तो उसने मेरा लंड पकड़ कर सहलाना शुरू कर दिया। अब तो साफ़ था कि मैं अब अपनी बीवी की माँ भी चोद सकता हूँ।

इतने में किचन से रोशनी की आवाज़ आई- जीजाजी, चाय के साथ क्या खाओगे ?

हम दोनों बिजली के झटके से अलग हुए, हम तो भूल ही गये थे कि रोशनी घर पर है। मैंने भी ज़ोर से कहा- कुछ भी ले आओ।

अब मेरी सास मुझसे नज़रें नहीं मिला रही थीं, पर मैं महसूस कर रहा था कि उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था। उसके बाद तो जैसे मुझे खुली छुट्टी ही मिल गई थी।

घर में बीवी चाँदनी, ससुराल में सास रजनी और साली रोशनी मेरे तो पौ बारह थे। जब भी जिस पर भी मौक़ा मिलता, मैं हाथ साफ़ कर लेता था, पर अभी तक कोई भी ऐसा मौक़ा

नहीं मिला था कि मैं अपनी सास या साली को चोद पाता।

अब क्योंकि बात खुल चुकी थी सो अपनी सास और साली के मम्मे दबाना, उनकी गाण्ड पे लंड घिसना, उनके मम्मे चूसना और यहाँ तक कि दोनों को अपना लंड भी चुसवा चुका था, पर चोदने का मौक़ा नहीं मिल रहा था।

हालात ये थे कि हम तीनों तड़प रहे थे कि कब मौक़ा मिले और अपने दिल की आग बुझायें, पर घर पर सास, साली और बीवी तीनों एक-दूसरे के सामने तो ये सब नहीं कर सकते थे, सो समय यूं ही बीतता गया।

फिर मौक़ा ऐसा बना कि मेरी बीवी प्रेग्नेंट हो गई तो वो अपनी माँ के घर चली गई। मैं भी वहीं रहने लगा, बस कभी-कभार कोई सामान लेने या घर की साफ़-सफाई करने के लिए ही अपने घर जाता था।

एक दिन रविवार को मैंने अपनी बीवी से कहा- 3-4 दिन हो गए अपने घर की सफाई नहीं हुई है, मैं घर जाकर सफाई कर आता हूँ।

मेरी बात सुन कर मेरी सास बोली, लो, अब तुम झाड़ू पोंछा करोगे ! मैं तुम्हारे साथ चलती हूँ, तुम्हारी मदद कर दूँगी।

भला मुझे क्या ऐतराज़ हो सकता था, मैं तो इसे एक मौक़े की तरह देख रहा था। रोशनी अपने फ्रेंड्स के साथ पिक्चर देखने गई थी। चाँदनी को समझा कर हम दोनों मेरे घर आ गए।

घर में घुसते ही मैंने अपनी सास को पकड़ लिया !!

मुझे आप अपने विचार यहाँ मेल करें।

कहानी जारी रहेगी।

alberto62lopez@yahoo.in

# Other stories you may be interested in

## दामाद जी ने मुझे जम कर चोद दिया

मेरी उम्र अभी करीब 40 साल की है. और मेरी बेटी प्रिया की शादी कुछ महीने पहले ही मैंने एक अच्छे वेल सेटल्ड लड़के से कर दी. लेकिन कुछ ही महीनों बाद एक दिन वो मायके लौट आयी और फूट […]
Full Story >>>

## सास के साथ चरम सुख की प्राप्ति

मैं दिल्ली में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में कार्यरत हूँ. ये मेरी सच्ची कहानी है. यह दो वर्ष पहले की घटना है. मैं दिल्ली में अपनी पत्नी के साथ रहता था. काफी लम्बे समय से मेरी पत्नी की तबियत ख़राब चल […]
Full Story >>>

## जमाई से चूत गांड चुदाई

मेरा नाम सुलेखा है, मैं ग्वालियर की रहने वाली हूँ। मेरी उम्र 35 साल है. दिखने में गोरी हूँ और मेरी चूचिया बहुत टाइट है काई मर्दो ने मेरा शिकार करना चाहा लेकिन कोई नहीं कर सका। मेरे हसबैंड मुझसे […]
Full Story >>>

## एक रात सासू माँ के साथ

दोस्तो, मेरा नाम आरव (बदला हुआ नाम) है, मैं राजस्थान से हूँ. मेरी यह कहानी कोई बनाई हुई नहीं बल्कि सच्ची घटना है जिसने मेरी लाइफ को बदल कर रख दिया. मेरी यह कहानी मेरे और मेरी सास की है […]
Full Story >>>

## इंडियन इन्सेस्ट स्टोरी सास और जमाई की सुहागरात की

मेरा नाम मेघा सिंह है, मेरी उम्र 38 साल है, मैं दिखने में सेक्सी हूँ, मेरे बूब्स बहुत टाइट हैं, मेरी चूत भी टाइट है, कमर गदराई हुई है। यह मेरी रियल इंडियन इन्सेस्ट स्टोरी है जो सीतापुर की घटना […]
Full Story >>>